NEWS CLIPPING: 10_11.03.2017

DAINIK JAGRAN

वाइएमसी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय गोष्ठी

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार मुख्य अतिथि प्रो. अरविंद कुमार दीक्षित को स्मृति चिन्ह भेंट करते

जासं, फरीदाबाद: हरियाणा स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद की ओर से 'सतत ऊर्जा तथा पर्यावरण के लिए प्रौद्योगिकी के नए क्षितिज' विषय पर राष्ट्रीय गोष्ठी की शुरुआत की गई। इसका आयोजन विश्वविद्यालय के मानविकी एवं विज्ञान विभाग तथा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है, जिसमें लगभग 200 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। सम्मेलन का प्रारंभ विधिवत रूप से दीप जलाकर सरस्वती वंदना के साथ हुआ।

उद्घाटन समारोह में डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के कुलपति प्रो. अरविंद कुमार दीक्षित मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय ताप बिजली निगम के महाप्रबंधक श्री आरके बागची रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। संकायाध्यक्ष डॉ. संदीप ग्रोवर व डॉ सीके नागपाल व कुल सचिव डॉ. एसके शर्मा भी उपस्थित थे।

सम्मेलन के मुख्य वक्ता आरईएम टेक इंस्टीट्यूट, शामली के निदेशक, अनुसंधान व विकास प्रो. एच.एस. दत्ता, जीजेयू, हिसार से प्रो. नीरज दिलबागी व सीयूपी, बठिंडा से प्रो. वीके गर्ग हैं। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. रेणुका गुप्ता तथा डॉ. साक्षी ने किया।

NEWS CLIPPING: 10_11.03.2017

HINDUSTAN

वाईएमसीए में दो दिवसीय सेमीनार का समापन, नैनो टैक्नोलॉजी के माध्यम से सफाई पर चर्चा की

प्रदूषण, पर्यावरण, बिजली पर 182 शोध पत्र प्रस्तुत

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

हरियाणा स्वर्ण जयंती पर वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में मानविकी एवं विज्ञान विभाग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के सहयोग से चल रहा दो दिवसीय सम्मेलन शुक्रवार को समाप्त हो गया।
इस दौरान आधुनिक तकनीक (नैनो टेक्नोलॉजी) पर चर्चा की गई। इसमें प्रदूषण, पर्यावरण, बिजली सहित पांच विषयों पर 182 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। इस मौके पर राष्ट्रीय ताप बिजली निगम के महाप्रबंधक आरके बागची मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे।

वक्ताओं का कहना था कि आधुनिक युग में जीवाणु को मारने के लिए नैनो टेक्नोलाजी का प्रयोग किया जाता है। बताया कि ऐसी वस्तु पर नैनी सिल्वर की परत होती है। इसके माध्यम से कीटाणु मर जाते हैं। सेंट्रल विश्वविद्यालय के प्रो. चौके गौड़ ने बताया कि पानी में मौजूद कीटाणु को मारने वाली मशीन और सूर्य से निकलने वाली अल्ट्रावायलेट किरणों से बचाव के लिए भी नैनो सिल्वर का प्रयोग किया जाता है। इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है। वक्ताओं का कहना था कि कपड़ा, शराब और चीनी उद्योग से निकलने वाले ठोस औद्योगिक कचरे से भी खाद को तैयार किया जा सकता है।

आयोजन

- फैक्ट्रियों के पानी को साफ कर दोबारा प्रयोग किया जा सकता है
- घरों से निकलने वाले कठोर कचरे से खाद तैयार करने पर भी जोर

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दो दिवसीय संगोष्ठी में 182 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।। • हिन्दुस्तान

NEWS CLIPPING: 10_11.03.2017

NAVBHARAT TIMES

राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ

■ **एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद :** वाईएमसीए यूनिवर्सिटी की ओर से सतत ऊर्जा और पर्यावरण के लिए प्रौद्योगिकी के नए क्षितिज विषय दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इस राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सिटी के मानविकी व विज्ञान विभाग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इसमें लगभग 200 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस दौरान डॉ. भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी आगरा के कुलपति प्रो अरविंद दीक्षित मुख्य अतिथि और राष्ट्रीय ताप बिजली निगम के महाप्रबंधक आरके बागची विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि पर्यावरण में तेजी से आ रही गिरावट के कारण ऊर्जा संसाधनों में स्थिरता आज समय की मांग है।

NEWS CLIPPING: 10_11.03.2017

AMAR UJALA

ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए करें सामूहिक प्रयास: दीक्षित

बल्लभगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा स्वर्ण जयंति वर्षगांठ के मौके पर वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार से 'सतत ऊर्जा तथा पर्यावरण के लिए प्रौद्योगिकी के नये क्षितिज विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ। मानविकी एवं विज्ञान विभाग तथा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन में 200 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन की शुरुआत डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा के कुलपति प्रो. अरविंद दीक्षित और राष्ट्रीय ताप बिजली निगम के महाप्रबंधक आरके बागची ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर की। अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। सम्मेलन के मुख्य वक्ता आरईएम टैक इंस्टीट्यूट, शामली में निदेशक प्रो. एचएस दत्ता, जीजेयू हिसार से प्रो. नीरज दिलबागी व सीयूपी बठिंडा से प्रो. वीके गर्ग थे। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. संजय शर्मा, संकायाध्यक्ष डॉ. संदीप ग्रोवर, डॉ. सीके नागपाल विशेष तौर पर मौजूद थे। संचालन डॉ. रेणुका गुप्ता तथा डॉ. साक्षी ने किया। मुख्य अतिथि अरविंद दीक्षित ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि ऊर्जा के समुचित उपयोग को सुनिश्चित बनाने तथा स्थिर ऊर्जा एवं पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्यों के लिए एकजुट प्रयास करें ताकि ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करने के साथ-साथ भावी पीढ़ी के लिए भी ऊर्जा संसाधनों को संरक्षित किया जा सके। राष्ट्रीय ताप बिजली निगम के महाप्रबंधक बागची ने एनटीपीसी की गतिविधियों तथा पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए सभी तरह के प्रदूषण की रोकथाम के लिए किए गए उपायों का उल्लेख किया।

NEWS CLIPPING: 10_11.03.2017

DAINIK BHASKAR

अक्षय ऊर्जा संसाधनों को अपनाकर करें पर्यावरण संरक्षण : प्रो. दिनेश

सतत ऊर्जा तथा पर्यावरण को लेकर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में सतत ऊर्जा तथा पर्यावरण के लिए प्रौद्योगिकी के नए क्षितिज विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन गुरुवार से शुरू हुआ। इसमें 200 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस दौरान डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा के कुलपति प्रो. अरविंद कुमार दीक्षित मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय ताप बिजली निगम के महाप्रबंधक आरके बागची थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की।

इस दौरान कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि पर्यावरण में तेजी से आ रही गिरावट के कारण ऊर्जा संसाधनों में स्थिरता आज समय की मांग है। इस समस्या का समाधान अक्षय ऊर्जा संसाधनों को अपनाकर ही किया जा सकता है। उन्होंने कहा सम्मेलन प्राकृतिक ऊर्जा संसाधनों के समुचित उपयोग द्वारा समाज के सतत विकास तथा पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा के लिए उचित एक मंच है। मुख्य अतिथि अरविंद दीक्षित ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि ऊर्जा के समुचित उपयोग को सुनिश्चित बनाने तथा स्थिर ऊर्जा एवं पर्यावरण

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार मुख्य अतिथि प्रो. अरविंद कुमार दीक्षित को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।

को प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्यों के लिए एकजुट प्रयास करें ताकि ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। प्रो. दीक्षित ने कहा कि भारतीय जीवन दर्शन व शैली, रीति-रिवाज और सांस्कृतिक प्रथाएं प्रकृति की सुरक्षा के विज्ञान पर आधारित हैं। इसलिए हमें प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करते समय दूसरों के लिए इन संसाधनों को सुरक्षित रखने की सोच के साथ करना चाहिए। डॉ. राजेश कुमार आहूजा ने सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले सभी शिक्षाविद तथा प्रतिभागियों का स्वागत कर सम्मेलन का ब्यौरा प्रस्तुत किया। दो दिवसीय सम्मेलन में तीन आमंत्रित व्याख्यान होंगे तथा सम्मेलन के मुख्य पांच विषयों पर 182 शोधपत्र रखे जाएंगे तथा संबंधित विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किए जाएंगे। उद्घाटन सत्र के अंत में प्रो. राज कुमार, संकायाध्यक्ष व विभागाध्यक्ष मानविकी एवं विज्ञान विभाग ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। अंत में कुलपति व अन्य ने सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट किया।

NEWS CLIPPING: 10_11.03.2017

HINDUSTAN

पांच विषयों पर 182 अहम शोधपत्र प्रस्तुत किए गए

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

हरियाणा स्वर्ण जयंती पर वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में मानविकी एवं विज्ञान विभाग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के सहयोग से दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें दिल्ली एनसीआर सहित विभिन्न राज्यों से करीब दो सौ प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जिसमें सतत ऊर्जा तथा पर्यावरण के लिए प्रौद्योगिकी के नये क्षितिज पर चर्चा हुई। इस दौरान तीन आमंत्रित व्याख्यान और पांच विषयों पर 182 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए है। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. भीम राव अंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अरविंद्र कुमार दीक्षित और विशिष्ठ अतिथि के रूप में राष्ट्रीय ताप बिजली निगम के महाप्रबंधक आरके बागची रहे। जबकि इसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की।

सम्मेलन

- वाईएमसीए में दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित हुआ
- दिल्ली एनसीआर सहित कई राज्यों से प्रतिभागी शामिल

पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए एकजुट हों

मुख्य अतिथि ने छात्रों से कहा कि ऊर्जा का समुचित उपयोग को सुनिश्चित करें। स्थिर ऊर्जा एवं पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए एकजुट हो कर प्रयास करने की जरूरत है। जिससे इसकी बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। इसके साथ ही भावी पीढ़ी को भी ऊर्जा मिल सके। भारतीय जीवन दर्शन और शैली, रीति-रिवाजपर आधारित है। इसलिए हमें प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग से पहले सोचने की जरुरत है।

पर्यावरण में लगातार गिरावट आ रही है

कुलपति प्रो. दिनेश का कहना था कि पर्यावरण में लगातार गिरावट आ रही है। इससे ऊर्जा संसाधनों में स्थिरता समय की मांग है। जिसका समाधान अक्षय ऊर्जा संसाधनों को अपनाकर ही किया जा सकता है। राष्ट्रीय ताप बिजली निगम के महाप्रबंधक आरके बागची ने एनटीपीसी की गतिविधियां, पर्यावरण को सुरक्षित रखने और प्रदूषण के रोकथाम के विषय में जानकारी दी।